स्नातक कार्यक्रम बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

प्रथम प्रश्न–पत्र

हिंदी साहित्य

Code – BAHL03 | Credit – 04

अर्वाचीन हिंदी काव्य

पाठ्य विषय –

1. मैथिलीशरण गुप्त – भारत–भारती की कविताएँ
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – (1) सखि बसन्त आया।
   (2) वर दे, वीणा वादिनी वर दे।
   (3) हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र।
   (4) वह तोड़ती – पत्थर।
   (5) राजे ने अपनी रखवाली की।
3. सुमित्रानंदन पंत – (1) बादल।
   (2) परिवर्तन 2 पद
   (1. खोलता इधर जन्मलोचन 2. आज का दुख कल का आल्हाद)
   (3) ताज।
   (4) झंझा में नीम।
   (5) भारत माता।
4. माखन लाल चतुर्वेदी – (1) बलि पंथी से।
   (2) साँझ और ढोलक की थापें।
   (3) मैं बेच रहा हूँ, दही।
   (4) उलाहना।
   (5) निःशस्त्र सेनानी।
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – (1) सबेरे उठा तो धूप खिली थी।
   (2) साम्राज्ञी का नैवेद्य दान।
   (3) घर।
   (4) चांदनी जी लो।
   (5) दूर्वांचल।

द्रुतपाठ हेतु कवियों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघुउत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे –

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय ''हरिऔध''।
2. सुभद्रा कुमारी चौहान।
3. श्रीकांत वर्मा।

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

स्नातक कार्यक्रम बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिंदी साहित्य

Code – BAHL04 Credit – 04

हिंदी भाषा – साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

पाठ्य विषय –

(क) हिंदी भाषा का स्वरूप विकास – हिंदी की उत्पत्ति, हिंदी की मूल आकर भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिंदी भाषा के विभिन्न रूप –

1. बोलचाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा
5. संपर्क भाषा
6. संचार भाषा

हिंदी का शब्द भंडार – तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास :– आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।

(ग) काव्यांग – काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन।
रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग, विभावादि तथा उदाहरण।

प्रमुख 5 छंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियॉ, सवैया।

शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनरुक्ति प्रकाश।

अर्थालंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur